अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की ग्रामीण शाखाओं की जमा राशियों और अग्रिमों की वृद्धि निम्नलिखित रही :—

	जमा राशियां	अग्रिम
जून, 1982	145	54
मार्च, 1984	8892	5698

जून, 1969 से मार्च, 1984 तक के दौरान कुल अग्रिमों में ग्रामीण अग्रिमों का हिस्सा 1.5 प्रतिशत से बढ़कर 13.5 प्रतिशत हो गया। ग्रामीण शाखाओं का ऋण: जमा अनुपात भी जून, 1969 में 37.2 प्रतिशत से बढ़कर मार्च, 1984 में 64 1 प्रतिशत हो गया।

सरकार की बराबर यह नीति रही है कि ग्रामीण क्षेत्रों को दिए जाने वाले ऋणों में वृद्धि की जाए। इसके परिणाम-स्वरूप, ग्रामीण शाखाओं के अग्रिमों में वृद्धि हुई है। बैंकों को प्राथमिकता-प्राप्त क्षेत्र, प्रत्यक्ष कृषि ऋणों और कमजोर वर्गों को दिए जाने वाले ऋणों के लिए विशेष लक्ष्य दिए गए हैं। बैंकों से ग्रामीण और अर्ध-शहरी शाखाओं के ऋण:-जमा अनुपात को सुधारने के लिए भी निदेश दिए गए हैं।

बेरमो-बोकारो कोयला खान में मजदूरों का शोषण

1358. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** क्या इस्पात, खान और कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को बेरमो-बोकारो कोयला खान के मजदूरों से असामाजिक तत्वों द्वारा उनका शोषण किए जाने के विरूद्ध कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है; और

(ख) यदि हां, तो सरकारइस संबंध क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है ?

इस्पात खान और कोयला मंत्री (श्री वसन्त साठे) (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी।

नोट कागज कारखाना होशंगाबाद

1359. **श्री प्यारे लाल खण्डेलवाल :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) नोट कागज कारखाना होशंगाबाद में कागज बनाने की कुल कितनी मशीनें काम कर रही हैं;

(ख) उनमें से कितनी मशीनें अत्याधुनिक है तथा उनकी प्रतिदिन उत्पादन क्षमता कितनी है ; और

(ग) उनके उत्पादन में कमी होने का क्या कारण है तथा इस संबंध में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जनार्दन पुजारी) (क) सिक्यूरिटी पेपर मिल होशंगाबाद मे इस समय कागज बनाने की चार मशीनें काम कर रही हैं।

(ख) यह सभी चारों मशीनें अत्याधुनिक हैं। इनकी स्थापित क्षमता 21.84 मेट्रिक टन प्रतिदिन की है।

(ग) उत्पादन में कमी का मुख्य कारण कार्य प्रतिमानों (मानदण्डों) को लागू न किया जाना है। जुलाई, 1983 में आधुनिक मिल के प्रारम्भ होने के पश्चात्, मैसर्स इक्कान नामक सलाहकार कम्पनी को मानवशक्ति और कार्य संबंधी आवश्यकताओं तथा उन प्रोत्साहन योजनाओं का अध्ययन करने का काम सौंपा गया जिन्हें इस दृष्टि से आधुनिक मिल में लागू किया जाए, ताकि उत्पादन 6000 मेट्रिक टन की निर्धारित क्षमता के अनुरूप बनाया जा सके। सलाहकार की रिपोर्ट अभी प्राप्त हुई है। सलाहकार की रिपोट में बताए गए कार्य संबंधी प्रतिमानों को स्वीकार करने के लिए मजदूर संघों कहा जा रहा है।